देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

JAWAB DO SARKAR
www.jawabdosarkar.com
(A Digital Media Initiative to promote Accountability)

वॉल्यूम न.– 2021/kdgl/01 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शुक्रवार, 15 अक्तूबर 2021

विशेष रिपोर्ट-1

क्या करोड़ो रुपयों का चंदा लेने वाली नारायण सेवा संस्थान में सब कुछ सही चल रहा है?

तीन विमंदित बच्चों की मौत पर सरकार चुप क्यूँ !!!

असमय काल का ग्रास हुए तीन विमंदित बच्चों को न्याय कौन दिलाएगा?

क्या संस्थान द्वारा सरकार और जनता से वसूले जा रहे चंदे का सदुपयोग किया जा रहा है?

क्या संस्थान अपनी ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करेगी?

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

नारायण सेवा संस्थान,उदयपुर मे तीन विमंदित बच्चों की मौत का मामला|

गत माह राजस्थान के उदयपुर शहर में स्थित नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित स्कूल में फूड पॉइजनिंग से 3 बच्चों की मौत का मामला सामने आया था|

दिनांक 22 सितंबर को फ़र्स्ट इंडिया द्वारा बच्चों की मौत का मामले को प्रमुखता से दिखाया गया जिसके बाद कुंभकर्णी नींद सो रहा प्रशासन हरकत में आया| इस हादसे मे बड़ी स्थित नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित इस पुनर्वास केंद्र में रहने वाले 49 बच्चों में से 7 बच्चों को फूड पॉइजनिंग की शिकायत होने पर महाराणा भूपाल चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया था, जिसमें से 3 बच्चों की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई|जिनकी उम्र 16 से 17 वर्ष थी|पूछताछ के दौरान संचालकों ने बताया कि परोपकार के उद्देश्य से बाहर से आने वाले लोगों द्वारा पका हुआ भोजन बच्चों को खिलाया जाता है, जिससे भी फूड पॉइजनिंग की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता|

विमंदित पुनर्वास केंद्र में फूड पॉइजनिं
से चार दिन में दो बच्चों की मौत

अस्पताल में भर्ती बच्चों से कुशलक्षेम पूछते जिला कलक्टर चेतन देवड़ा।

49 बच्चों में से 7 को फूड पॉइजनिंग
चिकित्सा विभाग ने लिए खाद्य सामग्री के नमूने

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. नारायण सेवा संस्थान की ओर से बड़ी में संचालित मानसिक विमंदित पुनर्वास केंद्र में चार दिन के दरमियान ही दो बच्चों की मौत हो गई। इसे लेकर हरकत में आए पुलिस-प्रशासन और चिकित्सा विभाग ने जांच शुरू की। घटना को लेकर जांच के लिए पहुंचे सीएमएचओ ने पाया कि यहां निवासरत 49 बच्चों में से 7 को फूड पॉइजनिंग की शिकायत मिली है।

बच्चों के बीमार होने और मृत्यु के संबंध में जांच के लिए सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी पुनर्वास केंद्र पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। सीएमएचओ डॉ. खराड़ी ने बताया कि बड़ी स्थित पुनर्वास केंद्र में निवासरत 49 बच्चों में से 7 बच्चों को फूड पॉइजनिंग की शिकायत पर उन्हें एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया था। इसमें से 2 बच्चों की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृत बच्चों की उम्र 16-17 साल थी। शेष पांच बच्चों में एक बच्चा अब भी आईसीयू में भर्ती है। बाकी चार बच्चे वार्ड में इलाजरत हैं। फूड पॉइजनिंग की जांच के लिए बच्चों को खिलाई जा रही खाद्य सामग्री, जैसे कि चावल-दाल इत्यादि का सैंपल लिया गया है।

बच्चों के उपचार में जुटी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम।

बाहरी भोजन से फूड पॉइजनिंग संभावित :संचा

पूछताछ के दौरान संचालकों ने बताया कि परोपकार के उद्देश्य से बाहर से आने वाले लोगों द्वारा पका हुआ भोजन बच्चों को खिलाया जाता है, इससे भी फूड पॉइजनिंग क आशंका से इनकार नहीं कि जा सकता।

कलक्टर ने ली जान

यहां एक बच्चे की मौत बुध हुई, जबकि एक बच्चा रवि मरा था। दोनों मृतकों के पोस् करवाए गए। पोस्टमार्टम आने पर कारणों का खुलास कलक्टर चेतन देवड़ा ने अ में इलाजरत बच्चों के स नारायण सेवा संस्थान का दौ स्थिति की जानकारी ली।

आपको बता दें कि नारायण सेवा संस्थान गरीब-निर्धन बच्चों के इलाज के लिए काफी प्रसिद्ध है, लेकिन इस घटना के बाद नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित स्कूल पर कई सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं|इस तरह भोजन करने के तुरंत बाद बच्चों की तबियत खराब हो जाना नारायण सेवा संस्थान की लापरवाही को दर्शा रहा है|जानकारी के अनुसार नारायण सेवा संस्थान द्वारा बच्चों की मौत के मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है और नारायण सेवा संस्थान पूरे मामले में लीपापोती के लिए अपने रसूख का इस्तेमाल कर रहा है|

कलेक्टर ने देखा केंद्र का किचन, अस्पताल अधीक्षक
कहा- बच्चों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों को लगाए

सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

रायण सेवा संस्थान के विमंदित र्वास केंद्र के 2 बच्चों को फूड इजनिंग से मौत और 5 बच्चों को मबी अस्तपाल में भर्ती करने की चना पर कलेक्टर चेतन देवड़ा मबी के बाल चिकित्सालय पहुंचे। स्पताल अधीक्षक डॉ. आरएल मन से पांचों भर्ती बच्चों के लिए शेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगाने कहा। इसके बाद कलेक्टर और एमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी र्वास केंद्र पहुंचे, जहां किचन और न्य व्यवस्थाएं देखीं। एएसपी-सिटी पाल स्वरूप मेवाड़ा भी साथ थे। एमएचओ का कहना है कि केंद्र में ए दिन सेवाभावी लोग भी भोजन दि सामग्री दे जाते हैं। इन्हें खाने से च्चों की सेहत बिगडने का अंदेशा है। कलेक्टर ने बताया कि चिकित्सा विभाग और पुलिस की टीम हर पहलू से जांच कर रही हैं। फूड इंस्पेक्टर अशोक गुप्ता ने संस्थान से भोजन और खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए भिजवाए हैं।

सीएमएचओ के मुताबिक विमंदित पुनर्वास केंद्र के 7 बच्चों को फूड पॉइजनिंग पर अस्पताल में भर्ती करवाया था। इनमें से 2 की मौत हो गई। एक बच्चा आईसीयू और शे 4 वार्ड में भर्ती हैं। बच्चों को खिल जा रही खाद्य सामग्री, चावल-दा आदि के सैंपल ले लिए हैं। पूछता में पता चला है कि बाहर से आ वाले समाजसेवी बच्चों को भोज कराते हैं। इससे भी फूड पॉइजनि की आशंका है। मृत दोनों बच्चों पोस्टमार्टम कर विसरा ले लिया रिपोर्ट का इंतजार है।

कलेक्टर ने विमंदित पुनर्वास केंद्र में व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

नारायण सेवा संस्थान पर रिपोर्ट पेश, ईकोलाई बैक्टीरिया की हुई पुष्टि

उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान के विमंदित बाल पुनर्वास केंद्र के तीन बच्चों की मौत के मामले की जांच के लिए कलेक्टर चेतन देवाड़ा की ओर से बनाई गई कमेटी ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश कर दी है|अंतरिम रिपोर्ट में कमेटी ने माना है कि नारायण सेवा संस्थान के विमंदित केंद्र में कई कमियां थी|जिसके कारण बच्चों का स्वास्थ्य खराब हुआ|

नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित पुनर्वासन केंद्र के बच्चों की मौत के मामले में आई प्रारंभिक रिपोर्ट में संस्थान की लापरवाही उजागर हो गई है| तीन बच्चों की मौत के बाद कलेक्टर चेतन देवड़ा ने सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी और बड़गांव एसडीएम के नेतृत्व में 2 टीमों का गठन किया था|दोनों टीमों ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट कलेक्टर को पेश कर दी| मामले की जानकारी देते हुए कलेक्टर देवड़ा ने बताया कि इस रिपोर्ट को राज्य सरकार को भेज दिया है| उन्होंने बताया कि रिपोर्ट में साफ हो गया है कि विमंदित केंद्र में खाना बनाने और पीने के पानी में ईकोलाई बैक्टीरिया की उपलब्धता थी और सीवरेज सिस्टम के बोरवेल के करीब होने से पेयजल के दूषित होने की आशंका है|

कलेक्टर देवाड़ा ने बताया कि जांच रिपोर्ट में पता चला है कि केंद्र में अपर्याप्त मेडिकल स्टाफ के होने से बच्चों की देख रेख सही नहीं हो पाई थी| कलेक्टर देवड़ा ने कहा कि शेष दो रिपोर्ट आने के बाद उनकी जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी|

बच्चों की मौत के मामले में प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से एक बात तो साफ हो गई कि जब यह मामला सामने आया तो नारायण सेवा संस्थान के जिम्मेदार लोग अपनी खामियों को छुपाने के लिए कई तरह के बहाने बना रहे थे| ऐसे में देखना होगा कि फाइनल रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन नारायण सेवा संस्थान के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है और असमय काल का ग्रास हुए तीन विमंदित बच्चों को न्याय दिला पाता है या नहीं|

भोजन और पानी मे नारायण सेवा संस्थान द्वारा बरती जा रही लापरवाही|

नारायण सेवा संस्थान के विमंदित पूर्नवासन केन्द्र में हुई तीन बच्चों की मौत के मामले में एक के बाद एक लापरवाही सामने आ रही है|दूषित पानी की रिपोर्ट के बाद फुड सेम्पल की रिपोर्ट में भी कई अनियमितताएं सामने आई है|

सीएमएचओ डॉ दिनेश खराडी के अनुसार बच्चों की मौत के बाद जिला कलक्टर चेतन देवड़ा ने एक जांच कमेटी का गठन किया था. इस टीम ने केन्द्र का निरिक्षण करते हुए वहां रखे खाद्य पदार्थो के 21 सेम्पल लिए, जिसमें से 14 सेम्पल में गड़बड़ी सामने आई है|

उन्होंने बताया कि 11 सेम्पल मिस ब्रांड थे, दो सेम्पल अवधि पार के थे| वहीं, एक सेम्पल में स्टार्क की मात्रा अधिक पाई गई| इस रिपोर्ट को देखने के बाद एक बात तो साफ है कि संस्थान में रह रहें बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर कितने गंभीर थे और बच्चों को पोष्टीक खाना देने की बजाए वहां पर निम्न गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों को उपयोग किया जा रहा है|

फुड रिपोर्ट सामने आने के बाद अब स्वास्थ्य विभाग ने नारायण सेवा संस्थान के विमंदित केन्द्र को नोटिस जारी किया है|

पुलिस ने क्यूँ नहीं दर्ज किया मामला?

आपको बता दें कि इस घटना के बाद पुलिस ने दावा किया था कि वह इस मामले मे जांच कर रही है|लेकिन जानकारी के अनुसार आज दिनांक तक इस मामले मे अम्बामाता पुलिस थाने द्वारा इस मामले मे कोई एफ़आईआर दर्ज नहीं की है|इस मामले मे थानाधिकारी श्री दलपत सिंह से बात करने पर उनके द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया और मेला मे होने का हवाला देकर फोन काट दिया|

नारायण सेवा संस्थान मे बरसो से हो रही लापरवाही|

आपको बता दें कि नारायण सेवा संस्थान मे हो रही अनियमितताओं की यह कोई नयी बानगी नहीं है|बरसो से इस सस्थान मे विभिन्न प्रकार की अनियमितताए सामने आई है वह चाहे घोटालों से संबन्धित हो या फिर युवती की मौत से|यह तो वह मामले है जो अखबारों की सुर्खियां बन जाते है जो मामले संस्थान द्वारा दबा दिये जाते है उनकी तो कोई गिनती ही नहीं है|

नारायण सेवा की लापरवाही से जा चुकी है युवती की जान

नारायण सेवा संस्थान की घोर लापरवाही से महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले की निवासी एक युवती की 08-09 साल पहले मौत हो चुकी है|जानकारी के अनुसार युवती के हाथ में पोलियो था, जिसका एक माह पूर्व संस्थान में ऑपरेशन किया गया था। आश्चर्य की बात यह कि ऑपरेशन के दौरान युवती निमोनिया से ग्रस्त थी। ऑपरेशन के बाद युवती की तबीयत बिगड़ गई और उसे डबल निमोनिया हो गया, इस पर उसका नाम बदलकर गीतांजलि अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

नारायण सेवा संस्थान के घोटालों की जांच शुरू

By Akhtar Khan - Jun 17, 2013

उदयपुर। विकलांगों के नि:शुल्क ऑपरेशन कर उन्हें सकलांग बनाने के क्षेत्र में कार्य करने वाले नारायण सेवा संस्थान में हुए गबन-घोटालों और अनियमितताओं की जांच शुरू हो गई है। क्रमददगारऊ्ज में लगातार प्रकाशित हो रहे तथ्यात्मक समाचारों का संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार ने विशेष योग्यजन पुनर्वास एवं अधिकारिता विभाग को जांच के निर्देश दिए हैं। इन्हीं निर्देशों की पालना में विशेष योग्यजन विभाग के निदेशक श्री के.सी. वर्मा रविवार को नारायण सेवा संस्थान के हिरण मगरी कार्यालय पहुंचे एवं वहां चल रही गतिविधियों का निरीक्षण किया। संस्थान की ओर से श्री वर्मा और उनके साथ आए अन्य अधिकारियों की काफी आवभगत भी की गई।

बताया गया है कि श्री के.सी. शर्मा ने नारायण सेवा संस्थान के प्रबंधकों से केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से दिए गए अनुदान का हिसाब-किताब तलब किया है। श्री वर्मा ने सरकारी अनुदान से किए गए नि:शक्तजनों के ऑपरेशनों

संस्थान करता है अपाहिज लोगो को कृत्रिम अंग लगाने की व्यवस्था,अनाथ,मूक बधिर,विमंदित व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और सामूहिक विवाह जैसे कई सामाजिक काम|

नारायण सेवा संस्थान की वेबसाइट के अनुसार संस्थान अपाहिज लोगो को कृत्रिम अंग लगाने की व्यवस्था,अनाथ,मूक बधिर,विमंदित व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और सामूहिक विवाह जैसे कई सामाजिक काम करती है|वर्तमान मे इसे श्री कैलाश अग्रवाल और प्रशांत अग्रवाल द्वारा संचालित किया जा रहा है|

नारायण सेवा संस्थान के कर्ता धर्ता

Managing Committee	S/o. , W/o.	Status
Shri. Kailash Chandra Ji Agarwal	S/o. Sh. Madan Lal Ji Agarwal	Founder - Chairman
Shri Jagdish Lal Ji Arya	S/o. Sh. Ranchhod Lal Ji Arya	Trustee
Shri Prashant Ji Agarwal	S/o. Sh. K.C. Agarwal Ji	President
Shri Devendra Ji Choubisa	S/o Sh. B.P. Choubisa Ji	Trustee
Smt. Kamla Devi Ji	W/o. Sh. K.C. Agarwal Ji	Trustee
Shri Laxmi Lal Ji Agarwal	S/o Sh. Banshi Lal Ji Agarwal	Trustee
Shri Mukesh Ji Sharma	S/o Sh. Gajanand Ji Sharma	Trustee

देश विदेश मे कई शाखाएँ

संस्थान की देश मे ही कई शहरों मे शाखाएँ है जिनमे आगरा,अहमदाबाद,अजमेर,अलीगढ़,अंबाला,बेंगलोर, करनाल, भोपाल,कोलकाता,बड़ोदा, चंडीगढ़,देहारादून,ग्वालियर,दिल्ली,गाजियाबाद,गुड़गांव, हिसार,हरिद्वार,हैदराबाद, इंदोर,जयपुर,जोधपुर,कोटा,लकनऊ,लुधियाना,मेरठ,मथुरा,मुंबई,नागपुर,पटना,प्रयाग,पुणे,रायपुर,राजकोट,सूरत प्रमुख है|इसके साथ ही संस्थान की विदेशों मे भी कई शाखाएँ है जिनमे से ऑस्ट्रेलिया,बेल्जियम,कनाडा,कांगो,क्रोशिया,होंगकोंग, ,इन्डोनेशिया,इटली, जापान केन्या,कुवैत,मलेशिया,न्यूजीलेंड,नोर्थन आईलेंड,नोर्वे,ओमान,अफ्रीका,तंजानिया, थाईलेंड,यूके,यूएसए शामिल है|

करोड़ो का देशी-विदेशी फंड और करोड़ो का सरकारी अनुदान

भारत सरकार के नियमों के तहत विदेशों से फंड प्राप्त करने के लिए FCRA नियमों की पालना करनी पड़ती है|FCRA की अधिकृत वेबसाइट के अनुसार पिछले 5 सालों मे करोड़ो रुपए विदेशी फंड के तहत संस्थान को प्राप्त हुए है|गौरतलब है कि संस्थान को विदेशों से भेजे गए फंड मे से मोटी राशि विदेश मे स्थित संस्थान की ब्रांचो से भेजा गया है|विदेश मे स्थित किसी फंडिंग एजेंसी द्वारा कभी कोई रकम नहीं दी गयी है|ऐसे मे सवाल उठता है कि विदेश स्थित संस्था की शाखाओं मे पैसा कहाँ से आ रहा है?साथ ही संस्थान द्वारा देश मे भी सीएसआर पॉलिसी के तहत भी बड़ा फंड उठाया जाता है और निजी दानदाताओं द्वारा भी अच्छा-खासा पैसा इकट्ठा किया जाता है|इतना ही नहीं संस्थान द्वारा सरकार से रियायती दरों पर जमीन,अनुदान व अन्य सुविधाएं भी प्राप्त की जाती है,जिसकी गणना भी करोड़ो रुपयों मे है|

क्रमांक	वर्ष	राशि
1	2019-20	93381439.90
2	2018-19	79380190.00
3	2017-18	97355926.71
4	2016-17	57794859.00
5	2015-16	60816544.00

FCRA मे प्रस्तुत वार्षिक रिपोर्ट मे वर्ष 2019-20 मे नारायण सेवा संस्थान की इन शाखाओं से फंड ट्रांसफर किया गया|		
क्रम	ब्रांच	राशि
1	नारायण सेवा संस्थान यूके	3544583.00
2	नारायण सेवा संस्थान यूके	3613382.00
3	नारायण सेवा संस्थान यूके	3679899.00
4	नारायण सेवा संस्थान यूके	2609923.00
5	नारायण सेवा संस्थान यूके	3201174.00
6	नारायण सेवा संस्थान यूके	3251189.00
7	नारायण सेवा संस्थान यूके	4404221.00
8	नारायण सेवा संस्थान यूके	3916760.00
9	नारायण सेवा संस्थान एचके	1142500.00
10	नारायण सेवा संस्थान यूके	4166671.00
11	नारायण सेवा संस्थान यूके	4590386.00
12	नारायण सेवा संस्थान साउथ अफ्रीका	1926560.00
13	नारायण सेवा संस्थान यूके	3142766.00
14	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	2945436.00
15	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	3741915.00
16	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	5621683.00
17	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	3224608.00
18	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	4509361.00
19	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	7573571.00
20	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	2945436.00
		योग:-76361947/-

FCRA मे प्रस्तुत वार्षिक रिपोर्ट मे वर्ष 2018-19 मे नारायण सेवा संस्थान की इन शाखाओं से फंड ट्रांसफर किया गया|		
क्रम	ब्रांच	राशि
1	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	5209600.00
2	नारायण सेवा संस्थान यूके	1867862.00
3	नारायण सेवा संस्थान यूके	2777184.00
4	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	7093202.00
5	नारायण सेवा संस्थान एचके	1809594.00
6	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	4031843.00
7	नारायण सेवा संस्थान यूके	2241881.00
8	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	7290603.00
9	नारायण सेवा संस्थान यूके	3237966.50
10	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	3002009.00
11	नारायण सेवा संस्थान साउथ	1856308.93
12	नारायण सेवा संस्थान यूके	2618810.00
13	नारायण सेवा संस्थान यूके	3098579.00
14	नारायण सेवा संस्थान यूके	2658008.00
15	नारायण सेवा संस्थान यूके	3191259.00
16	नारायण सेवा संस्थान आईएनसी	3316634.00
		योग:-55301342/-

NARAYAN SEVA SANSTHAN UK

Detailed Statement of Financial Activities

Year ended 31 December 2019

	2019 £	2018 £
Income and endowments		
Donations and legacies		
Non Gift Aid - Donations	211,019	203,929
Gift Aid - Donations	171,492	143,553
Gift Aid received from HMRC	42,873	35,888
	425,384	383,370
Total income	425,384	383,370
Expenditure		
Investment management costs		
Donations to Narayan Seva Sansthan - Udaipur	348,128	235,000
Donations to other registered charities	500	3,750
	348,628	238,750
Expenditure on charitable activities		
Wages and salaries	24,586	22,612
Pension costs	245	370
Premises cost	14,650	25,583
Collection charges	9,712	7,204
Advertising	5,396	9,289
Depreciation	903	1,204
Bank charges and interest	2,881	2,788
Religious function activities	23,628	35,210
	82,001	104,260
Total expenditure	430,629	343,010
Net (expenditure)/income	(5,245)	40,360

नारायण सेवा संस्थान की यूके स्थित शाखा द्वारा यूके की सरकार को प्रस्तुत की गयी वित्तीय रिपोर्ट,जिसमे उसके द्वारा 348,128/- पॉण्ड की राशि हिंदुस्तान स्थित मुख्यालय को ट्रांसफर करने की बात कही है|

यूके स्थित संस्था का कार्यालय

यूके स्थित कार्यालय डोनेशन देने वालों मे प्रमुख|

आपको बता दें कि संस्थान द्वारा विभिन्न देशों मे अलग अलग शाखाएँ खोली गयी है जिन्हे उन्ही देशों के नियमों के अनुसार संचालित किया जाता है|विदेशों मे स्थित कार्यालयों द्वारा भारत मे उन कार्यक्रमों के लिए चंदा इक्कट्ठा किया जाता है जिसके लिए पहले ही सरकार से अनुदान लिया जा चुका होता है ऐसे मे सवाल उठता है कि क्या यह वहाँ के दानदाताओं के साथ धोखाधड़ी नहीं है?क्या यह वहाँ की और हमारी सरकारो के साथ तो धोखाधड़ी नहीं है?

नारायण सेवा संस्थान यूके द्वारा प्रचारित योजनाएँ ,जिनके लिए भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा पहले ही अनुदान दिया जाता है|

S.No.	Name	Designation	Address	City	Contact No.
1	Mr. Bhikhubhai P Patel	Trustee	68-76 Belgrave Raod, Victoria, London SW1V 2BP	London	07973266569
2	Mr. Baldev Krishan	Trustee	131-133 Sycamor Close ,BRADFORD BD3 0EA	Bradford	07840150251
3	Dr. Pramod Patel	Trustee	2 Roughton Street, Leicester, LE4 5JQ.	Leicester	07504458048

यूके स्थित नारायण सेवा संस्थान के संचालनकर्ता

क्रमांक	वर्ष	राशि(लाखो मे)	किए गए ऑपरेशन(संस्थान की वेब साइट के अनुसार)
1	2014-15	448.00	
2	2015-16	00.00	
3	2016-17	400.00	2850
4	2017-18	200.00	1948
5	2018-19	550.00	3711
6	2019-20	450.00	4268
7	2020-21	495.00	
कुल 2543.00			

क्या सरकारी अनुदान का हो रहा है सदुपयोग?

केंद्र सरकार की ADIP योजना के तहत हर साल उठा रहे करोड़ो रुपया|

समाज कल्याण एवं अधिकारिता विभाग,भारत सरकार के विकलांगता विभाग द्वारा हर साल करोड़ो रुपए का अनुदान ADIP स्कीम के तहत निर्धन/एससी/एसटी/कमजोर वर्गों की विकलांगता को कृत्रिम अंगों के प्रत्यारोपण द्वारा दूर करने के लिए जारी किए जाते है|विभाग की वेब साइट के अनुसार राजस्थान मे कुल 7 संस्थाओं को यह अनुदान दिया जाता है जिसमे से सर्वाधिक अनुदान नारायण सेवा संस्थान को ही दिया जाता है|विगत सात सालों मे विभाग द्वारा संस्थान को 25 करोड़ 43 लाख रुपए अनुदान मे दिये जा चुके है|संस्थान की वेब साइट के अनुसार उसके द्वारा अब तक 12777 व्यक्तियों को कृत्रिम अंग लगाए जा चुके है|संस्थान की वेबसाईट पर उन सभी व्यक्तियों का ब्यौरा भी उपलब्ध है जिन्हे संस्थान द्वारा मदद की गयी है|इन लोगो मे अधिकतर निर्धन वर्ग/एससी/एसटी और बच्चे शामिल है|सबसे बड़ी बात यह है कि इनमे से अधिकांश राजस्थान से बाहर के व्यक्ति है और उनमे से अधिकतर को 7 से 11 दिन तक रोका जाता है|

Bhagwan Mahaveer Viklang Sahayata Samiti, Sawai Mansingh Hospital, Jaipur	0	100.00	100.00	75.00	0	0	0
Narayan Sewa Sansthan, Sewadham, 483, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur.	448.00	0	400.00	200.00	550.00	450.00	495.00
Gyanaram Jhammanlal, Jaipur, 67/56 A Near Mandara Bus Stand, New Sanganer Road, Jaipur, Rajasthan.	0	0	4.00	5.00	0	0	7.5
Jodhpur Manav Sewa Trust, B-4- Aastha, Keshav Nagar, Oppoiste Ashok Udhyan, Pal Road, Jodhpur, Rajasthan	0	0	0.00	3.75	0	0	0
Maa Geeta Devi Seva Sansthan Kherli, Behind Power House, By Pass Road, Ward No.18, Kherli - 321606	0	0	0.00	0.00	0	0	3.66
Amrapali Prashikshan Sansthan, Karigal Mohalla, Ward No. 4, Tonk, Rajasthan.	0	0	0.00	0.00	0	0	10.00
Tanwer Shikshan Sansthan, Plot no 11 Khsra no 18 Ramjan ji ka Hatta Banar Road JODHPUR, Pin code:- 342015	0	0	0.00	0.00	0	0	5.00

संस्थान द्वारा केंद्र सरकार/राज्य सरकार की अन्य योजनाओं का लिया जा रहा लाभ|

जानकारी के अनुसार संस्थान द्वारा केंद्र की निम्न योजनाओं का लाभ लिया जा रहा है:-

- *दिव्यांग जन स्वावलंबन योजना*
- *दीनदयाल निशक्तजन पुनर्वास योजना(DDRS)*
- *सुगम्य भारत अभियान*

इसके अलावा भी केंद्र/राज्य सरकार की कई योजनाओं के तहत अनुदान/रियायते प्राप्त की जा रही है,जिनका उल्लेख अगले अंकों मे किया जाएगा|

संस्थान के क्रिया-कलापो के संबंध मे जवाब मांगते सवाल?

1. दूर प्रदेशों के दिव्यांगों को किस प्रकार यहाँ लाया जाता है?कहीं ऐसा तो नहीं है कि यह दिव्यांगों एजेन्टों के द्वारा यहा लाये जाते हो?क्या एजेंट इनसे ऑपरेशन करवाने की एवज मे पैसा तो नहीं एंठते?

2. इन्हे ऑपरेशन के पश्चयात 7 से 11 दिन तक रोकने के क्या कारण है?
3. क्या कारण है कि विभाग राज्य की प्रतिष्ठित संस्था महावीर विकलांग समिति को पैसा नहीं देकर इस संस्था को ही करोड़ो रुपया देती है?
4. क्या CAG द्वारा कभी इस संस्थान का लेखा परीक्षण करवाया गया है?
5. विभाग की शर्तों के अनुसार संस्थान इस अनुदान के अलावा किसी से भी इस मद मे पैसा नहीं ले सकती कहीं ऐसा तो नहीं है कि इसी मद मे संस्थान द्वारा किसी और कंपनी से CSR मद मे या विदेशों से FCRA के तहत पैसा बटोरा जा रहा हो?
6. क्या कारण है कि संस्थान द्वारा विदेशों से केवल अपनी ब्रांचो के द्वारा ही फंड ट्रांसफर किया जाता है?
7. जिन देशों से अपनी ब्रांचो के द्वारा फंड प्राप्त किया जाता क्या वहाँ के नियम इसकी इजाजत देते है?
8. क्या प्रवर्तन विभाग ने कभी संस्थान/निदेशकों/नजदीकी रिश्तेदारों-परिचितों के बैंक खातों,सम्पत्तियों की जांच की है?
9. संस्थान द्वारा किन किन और सरकारी विभागों से अनुदान/रियायते ली जा रही है?

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, उदयपुर

राजस्थान सरकार

पंजीयन प्रमाण-पत्र

एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि नीचे वर्णित सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 (1959 का 42) के अधीन सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग उदयपुर के कार्यालय में आज के दिन यथावत रजिस्ट्रीकृत कर लिया गया है । सार्वजनिक प्रन्यास का नाम सेवा परमोधर्म ट्रस्ट,उदयपुर सार्वजनिक प्रन्यास के रजिस्टर में संख्या 20-देव-उद्य-09 प्रमाण पत्र श्री प्रशान्त अग्रवाल मैनेजिंग ट्रस्टी को जारी किया गया ।

मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 13 माह 05 सन् 2009 को दिया गया ।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, उदयपुर

नारायण सेवा संस्थान के कर्ता-धर्ताओं का एक अन्य ट्रस्ट

10. क्या संस्थान द्वारा उन सभी सरकारी अनुदानों/रियायतों का सदुपयोग किया जा रहा है?
11. संस्थान के निजी दानदाता कौन है?क्या संस्था इन्कम टेक्स के 80G आदि नियमों का उल्लंघन तो नहीं कर रही?
12. क्या संस्थान कहीं काले धन को सफ़ेद करने का अपराध तो नहीं कर रही है?
13. इस संस्थान के कर्ता-धर्ताओं द्वारा और कितने सेवा संस्थान/ट्रस्ट संचालित किए जा रहे है?आखिर इन्हे और संस्थान/ट्रस्ट खोलने की जरूरत क्यूँ पड़ी?
14. क्या संस्थान अपनी ऑडिट रिपोर्ट को सार्वजनिक करेगी?

पुनर्वास केंद्र मे हुई तीन बच्चों की असमय मौत के संबंध मे जवाब मांगते सवाल?

1. नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित पुनर्वासन केंद्र के संचालन का जिम्मा किस पर है?
2. बच्चों की विसरा रिपोर्ट मे क्या आया?
3. आखिर क्यूँ जिला कलेक्टर महोदय और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अपनी जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं कर रहे?
4. आखिर क्यूँ संस्थान मे मरीजों की संख्या के अनुसार कर्मी उपलब्ध नहीं है?
5. क्या संस्था मे योग्य और प्रशिक्षित कर्मियों की कमी है?क्या संस्था के डॉक्टर/नर्सिंगकर्मी प्रशिक्षित है?
6. इन तीन विमंदित बच्चों की मौत के क्या वास्तविक कारण थे?
7. क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा करवाए गए सेंपल की जांच के अनुसार संस्थान निम्न गुणवत्ता वाले अखाद्यय पदार्थों का उपयोग कर रही है?

साभार बीबीसी न्यूज

8. क्या संस्थान के कर्ता-धर्ता विमंदित बच्चों की गैर-आदतन हत्या के दोषी नहीं है?
9. आखिर क्यू पुलिस इस मामले मे एफ़आईआर दर्ज कर मामले की जांच नहीं कर रही?
10. क्या नारायण सेवा संस्थान द्वारा बच्चों की मौत के मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है?
11. क्या नारायण सेवा संस्थान मामले में लीपापोती के लिए अपने रसूख का इस्तेमाल कर रहा है?
12. कलेक्टर महोदय द्वारा करवाई गयी जांच के अनुसार क्या यह सही है कि विमंदित केंद्र में खाना बनाने और पीने के पानी में ईकोलाई बैक्टीरिया की उपलब्धता थी और सीवरेज सिस्टम के बोरवेल के करीब होने से पेयजल दूषित हो रहा है?
13. ऐसी घटना की पुनरावृति रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए है?
14. जांच मे दोषी पाये जाने पर जिला प्रशासन द्वारा संस्थान के विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है?
15. क्या कलेक्टर महोदय 3 विमंदित बच्चो की मौत को लेकर संस्था प्रमुखों पर लापरवाही की वजह से हुई मौतों की एफ़आईआर संबन्धित थाने मे दर्ज करवाएँगे?